पुस्तकालय

3299
17/4/13

सत्यमेव जयते

असंशोधित

3 APR 2013

बिहार विधान–सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

(भाग–2 कार्यवाही प्रश्नोत्तर रहित)

बि0स0मु0(एल0ए0वादवृत्त),184–डी0टी0पी0–1,500

प्रतिवेदन शाखा
[illegible] 1056 ... तिथि 17/5/13

क्रम संख्याः-४६:- श्री अरुण कुमार, स०वि०स०

श्री अरुण कुमारः- उपाध्यक्ष महोदय,मैं प्रस्ताव करता हूँ किः-

"यह सभा राज्य सरकार से अभिस्ताव करती है कि वह खगड़िया जिला के खगड़िया से सोनमनखी तक जाने वाली पी०डब्लू०डी० सड़क को सहरसा जिला के बलवाहाट एन०एच०-१०७ तक (भाया खजूरदेवा) विस्तार करें।"

श्री नंदकिशोर यादव, मंत्रीः- महोदय, वर्तमान में पथ निर्माण विभाग ने दूसरे विभागों के सड़कों के अधिग्रहण नहीं करने का निर्णय लिया है। इसलिए अभी उस काम में कठिनाई है,जब हम इसको रिलैक्स करेंगे, तो जरुर इनके प्रस्ताव पर विचार करेंगे। इसलिए माननीय सदस्य से अनुरोध है कि वे अपना संकल्प वापस ले लें।

श्री अरुण कुमारः- माननीय मंत्री जी के आश्वासन के आलोक में मैं अपना प्रस्ताव वापस लेता हूँ।

उपाध्यक्षः- सदन ही सहमति से माननीय सदस्य श्री अरुण कुमार जी का प्रस्ताव वापस हुआ।

क्रम संख्याः- ४७ :- श्री शिवेश कुमार, स०वि०स०

श्री शिवेश कुमारः- उपाध्यक्ष महोदय,मैं प्रस्ताव करता हूँ किः-

"यह सभा राज्य सरकार से अभिस्ताव करती है कि वह गौतम बुद्व एवं भगवान महावीर की आदमकद प्रतिमा पटना में समाहरणालय घाट के सामने गंगा नदी के बीच में स्थापित करावें।"

श्री नरेन्द्र सिंह, मंत्रीः- महोदय,महानुभावों एवं महापुरुषों की प्रतिमा स्थापना हेतु विभागीय संकल्प संख्या-७३० दिनांक ३०.४.२००७ द्वारा राज्यस्तरीय अन्तर्विभागीय समिति एवं जिला स्तर पर जिला स्थल चयन समिति का गठन किया गया है। राज्य के किसी भी जिला में प्रतिमा एवं स्मारक स्थापित करने से संबंधित आवेदन पत्र सीधे जिलाधिकारी को दिया जाना चाहिए। जिला स्थल चयन समिति से अनुशंसा प्राप्त होने के आलोक में राज्यस्तरीय समिति नियमानुसार अग्रत्तर कार्रवाई करती है। मैं भी चाहूंगा कि माननीय सदस्य इसके लिए जिलाधिकारी को आवेदन दें और वे जब अनुशंसा करेंगे,तो यहाँ जो राज्यस्तर की समिति है,तदुपरान्त उसपर निर्णय लिया जायेगा।

श्री शिवेश कुमारः- उपाध्यक्ष महोदय,मैं सबसे पहले बिहार सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूँ कि महात्मा गॉधी जी की मूर्ति जो इन्होंने गॉधी मैदान में लगायी है,इसके लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ और जो मैंने आग्रह किया है सरकार से मूर्ति लगाने के लिए,जो सिकंदराबाद में हुसैनसागर के बीचों-बीच में महात्मा बुद्व की मूर्ति लगी हुई है,ऐसे कई जगह हैं और इसतरह से अगर मूर्ति स्थापित होती है, तो हमलोगों के बिहार में चार चॉद लगेगा और एक रमणिक स्थान भी होगा,हमलोग वहाँ पिकनिक मनाने के लिए यहाँ के लोगों को आकर्षित भी करेंगे,तो मैं अपना प्रस्ताव वापस लेता हूँ लेकिन पुनः आग्रह करता हूँ कि इसपर विशेष रुप से ध्यान दिया जाय,इससे पटना और बिहार का गौरव बढ़ेगा। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपना प्रस्ताव को वापस लेता हूँ।

उपाध्यक्षः- सदन की सहमति से माननीय सदस्य श्री शिवेश कुमार जी का प्रस्ताव वापस हुआ।